Plagiarism Scan Report

0% Plagiarism	0% Exact Match 0% Partial Match

100% Unique

Words	390
Characters	2120
Sentences	0
Paragraphs	15
Read Time	2 minute(s)
Speak Time	3 minute(s)

Content Checked For Plagiarism

दोनों संत वंदनीय
रामभद्राचार्य-प्रेमानंद महाराज विवाद पर बोले पंडित धीरेंद्र शास्त्री- संतों को लड़वाने की कोशिश

pandit-dhirendra-shastri-rambhadracharaya-Premanand Maharaj-controversy-fight

बागेश्वर बाबा ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य और प्रेमानंद महाराज के विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे सनातन धर्म के लिए हानिकारक बताया। बागेश्वर बाबा ने आरोप लगाया कि कुछ लोग दो संतों को लड़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

बागेश्वर बाबा ने रामभद्राचार्य और प्रेमानंद महाराज के विवाद को गलत बताया और कहा कि लोग इस विवाद का मजा ले रहे हैं।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य और प्रेमानंद महाराज (Rambhadracharya and Premanand Maharaj) के बीच चल रहे विवाद पर बागेश्वर बाबा ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह विवाद केवल सनातन धर्म को कमजोर करेगा और इसे बढ़ावा देने वालों की निंदा की। उनके अनुसार, लोग केवल विवादों का मजा लेने में लगे हैं, जबकि यह दोनों संत समाज में प्रेम और एकता का संदेश देते हैं।

बागेश्वर बाबा ने बताया कि संतों पर टिप्पणी करना सनातन धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ है। उनका कहना था कि संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं। उनका विवादों में फंसना समाज में विघटन पैदा करता है।

बागेश्वर बाबा का मानना है कि दोनों संत वंदनीय हैं

बाबा बागेश्वर ने प्रेमानंद महाराज और रामभद्राचार्य के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों संतों का उद्देश्य समाज को सही दिशा में ले जाना है। प्रेमानंद महाराज ने भजनों के माध्यम से लोगों को जोड़ा, जबकि रामभद्राचार्य ने राम मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोगों पर आरोप: संतों को लड़वाने की कोशिश

बागेश्वर बाबा ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर इन संतों के बीच विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "कुछ लोग वीडियो में बयानबाजी कर दो महान संतों को लड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। यह समाज के लिए नुकसानदेह है।"

विवाद का विस्तार और सोशल मीडिया का प्रभाव

बाबा ने कहा कि सोशल मीडिया पर इस विवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है और यह समाज में गलत संदेश भेज रहा है। उनके अनुसार, समाज में शांति और प्रेम की आवश्यकता है, न कि संतों के बीच आपसी विवादों का।

बागेश्वर बाबा का दृष्टिकोण

बाबा बागेश्वर ने कहा कि वे खुद किसी भी संत के खिलाफ नहीं हैं और न ही किसी से ईर्ष्या रखते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग इस विवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, वे समाज के दुश्मन हैं।

Matched Source

Congratulations !

No Plagiarism Found

Check By: Dupli Checker